JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

गोड्डा जिला : जनसंख्या घनत्व एवं वितरण

सुजन कुमार[1] एवं डॉ0 संजय कुमार झा[2]

[1]शोधार्थी

एम0ए0 (भूगोल), यू0जी0सी0 (नेट)

स्नातकोत्तर भूगोल विभाग

तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर

[2]प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (सेवानिवृत)

स्नातकोत्तर भूगोल विभाग

तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर

सार

जनसंख्या वितरण से तात्पर्य उस क्षेत्र में लोगों का भौगोलिक वितरण को दर्शाता है जो किसी देश, राज्य, या क्षेत्र में लोग किस प्रकार फैले हुए हैं। जनसंख्या का वितरण विभिन्न प्राकृतिक और सामाजिक कारकों के आधार पर प्रभावित होता है। जनसंख्या घनत्व एक क्षेत्र में जनसंख्या के प्रति इकाई क्षेत्र का माप है। यह जनसंख्या के वितरण को समझने में मदद करता है और यह बताता है कि किसी विशेष क्षेत्र में कितने लोग रहते हैं। यह घनत्व आमतौर पर प्रति वर्ग किलोमीटर में मापा जाता है। उच्च जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्रों में अधिक संसाधनों की आवश्यकता होती है और जीवन की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है, जैसे ट्रैफिक जाम, प्रदूषण, और अपर्याप्त बुनियादी ढांचा। कम जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्रों में संसाधनों की अधिक उपलब्धता हो सकती है, लेकिन यहां रोजगार के अवसर कम हो सकते हैं और विकास की गति धीमी हो सकती है।

शब्दकुंजी : जनसंख्या वितरण, घनत्व, ट्रैफिक, प्रदूषण, और बुनियादी ढांचा इत्यादि

भूमिका :

गोड्डा जिला पूर्वी भारत में झारखंड राज्य के चौबीस जिलों में से एक है। यह राज्य के पूर्वोत्तर हिस्से में स्थित है। भौगोलिक क्षेत्र जिसमें अब गोड्डा जिला शामिल है, पूर्ववर्ती संथाल परगना जिले का हिस्सा था। गोड्डा शहर गोड्डा जिले का मुख्यालय है। जिले का क्षेत्रफल 2110 वर्ग किमी है, जिसकी जनसंख्या 1313551 है। निकटतम रेलवे स्टेशन गोड्डा है। लोगों की मुख्य आर्थिक गतिविधि कृषि है, और प्रमुख फसलें धान, गेहूं और मक्का हैं। गोड्डा संथाल नामक एक जनजाति की भूमि है। गोड्डा न केवल जनजातियों की भूमि है, स्थानीय निवासियों में गैर–जनजातीय और शहरी लोग भी शामिल हैं। 15 नवम्बर 2000 ई0 को भारतीय इतिहास में एक नया अध्याय का सूत्रपात हुआ, जब बिहार राज्य पुनर्गठन विधेयक, 2000 द्वारा झारखण्ड राज्य को पृथक् किया गया। भारत के मानचित्र पर 28वें राज्य का दर्जा इसे मिला। झारखण्ड का शाब्दिक अर्थ है 'झाड़ियों का प्रदेश' इस राज्य का निर्माण बिहार राज्य का चौथा विभाजन है।

बिहार के 18 जिलों को मिलाकर झारखण्ड राज्य का उदय हुआ। अविभाजित संथालपरगना भागलपुर प्रमण्डल के तीन जिलों में से एक जिला गोड्डा का प्रशासनिक मुख्यालय था।

गोड्डा भारत के झारखंड राज्य में स्थित एक जिला है। पहाड़ियों नदियों और जंगलों से आच्छादित यह सुंदर जिला झारखंड राज्य के उत्तर—पूर्व में स्थित है। यह जिला संथाल परगना प्रमंडल के अंतर्गत आता है। इस जिले का मुख्यालय गोड्डा शहर है। एक स्वतंत्र जिले के रूप में अस्तित्व में आने से पहले यह एक अनुमंडल के रूप में भूतपूर्व संथाल परगना जिले का हिस्सा हुआ करता था। 17 मई 1983 को इसे संथाल परगना जिले से अलग करके स्वतंत्र जिला बनाया गया।

गोड्डा जिले का इतिहास पाषाण युग से सबंधित है। हथौड़ों, अक्ष, तीर—कमान, कृषि उपकरण इत्यादि, विशेष रूप से संथाल परगना में इस क्षेत्र में पत्थर के हथियारों का एक बड़ा हिस्सा पाया गया है। हालांकि राज्य में उचित ऐतिहासिक दस्तावेजों की कमी है। विभिन्न साक्ष्य यह भी कहते हैं कि जिले में वैदिक काल के दौरान भी सभ्यता थी।

स्थिति एवं विस्तार

गोड्डा जिला पूर्वी भारत में झारखंड राज्य के चौबीस जिलों में से एक है, जिसका जिला मुख्यालय गोड्डा में है। यह राज्य के पूर्वोत्तर भाग में स्थित है। भौगोलिक क्षेत्र जिसमें अब गोड्डा जिला शामिल है, पूर्व संथाल परगना जिले का हिस्सा हुआ करता था। जिला अक्षांश 24^0 30′ 08″ उत्तर से 25^0 13′ 42″ उत्तर और देशांतर 87^0 02′ 44″ पूर्व से 87^0 31′ 39″ पूर्व के बीच स्थित है। इस जिले का कुल क्षेत्रफल 2110 वर्ग कि0मी0, कुल जनसंख्या 12,49,132 पुरूष 6,43,907 तथा महिला 6,05,225 एवं अनुसूचित जाति 111055 तथा अनुसूचित जनजाति 276785 है। कुल साक्षरता दर 56.4 पुरूष 67.84 तथा महिला 44.14 है। लिंगानुपात 938 एवं अनुसूचित जनजाति का लिंगानुपात 1015 है।

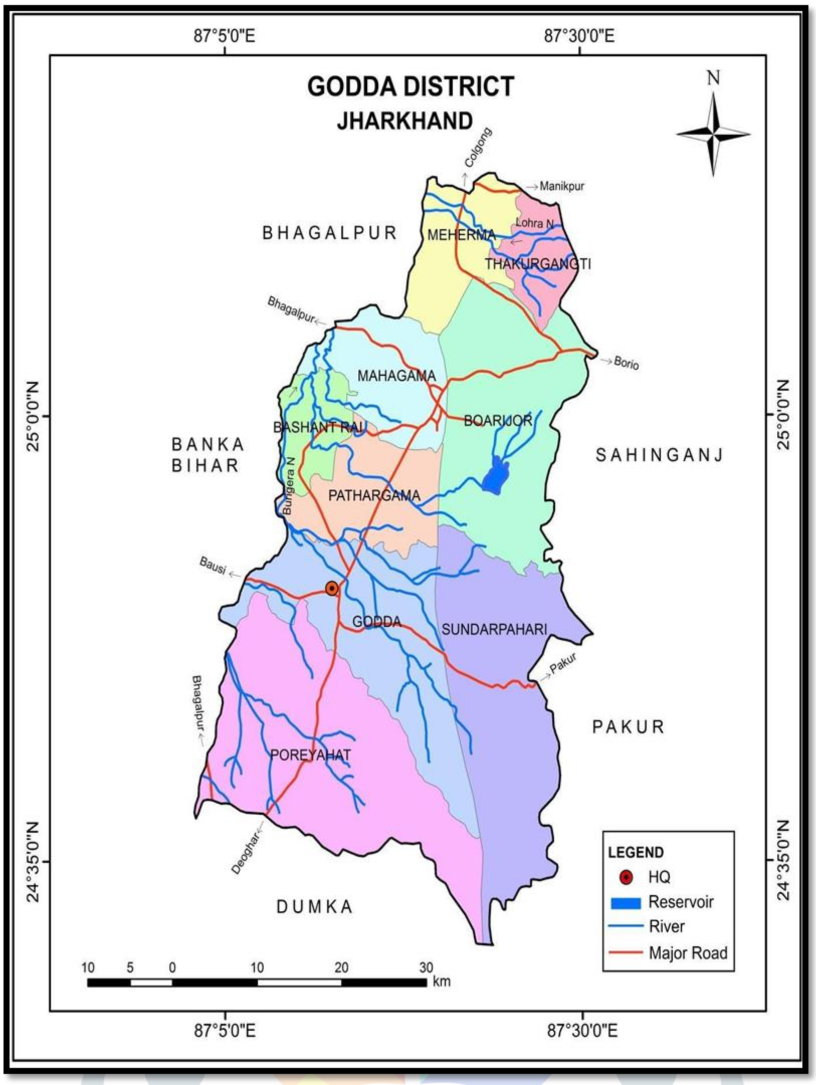

चित्र सं0 : 1.1

इस जिले में कुल 09 अंचल, 201 ग्राम पंचायत तथा 2311 गाँव है। उत्तर में – बिहार का भागलपुर जिला, दक्षिण में – गोड्डा जिला, पूरब – साहिबगंज और पाकुड़ जिला, पश्चिम में – बिहार का भागलपुर और बांका जिला स्थित है। इस जिले का घनत्व 580 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 है।

जनसंख्या वितरण :

जनसंख्या भूगोल में जनसंख्या वितरण और घनत्व की संकल्पना एक नहीं है, परन्तु दोनों परस्पर इतने घनिष्ठ रूप से संबंधित है कि दोनों की एक साथ व्याख्या अधिक तर्कसंगत है।[1] एक जनसंख्या भूगोलविद के लिए जनसंख्या वितरण और घनत्व की व्याख्या भारी महत्व रखता है। जनसंख्या वितरण का संबंध स्थान से तथा घनत्व का संबंध अनुपात से है। जनसंख्या वितरण को मापने की उपयुक्त इकाई सांद्रण सूचकांक है। जनसंख्या सांद्रण की क्षेत्रीय विभिन्नताओं को वृहत् स्तर पर स्पष्ट करने का प्रयास ट्रिवार्था, क्लार्क आदि विद्वानों ने किया।

जनगणना 2011 के अनुसार देश की कुल जनसंख्या 121.01 करोड़ से अधिक है, जिसमें 3.29 करोड़ जनसंख्या अकेले झारखण्ड में बसी हुई है। झारखण्ड में कुल 24 जिला है। गोड्डा जिला की जनसंख्या 2011 के अनुसार 1313551 है, जो झारखण्ड का 4.02 प्रतिशत है। जनसंख्या आकार के अनुसार गोड्डा जिला में जनसंख्या का संकेन्द्रण काफी विषम है। गोड्डा जिला में वर्ष 2011 के अनुसार कुल जनसंख्या 1313551 व्यक्ति है जिनमें पुरुषों की संख्या 677927 और स्त्रियों की संख्या 635624 हैं, औसत साक्षरता 56.40 जिसमें पुरूष साक्षरता 67.84 तथा महिला साक्षरता 44.14 है। गोड्डा जिला का विस्तार 2097.48 वर्ग किलोमीटर में है। जनसंख्या वृद्धि 25.35 प्रतिशत तथा जनसंख्या घनत्व 580 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। लिंगानुपात 940 है तथा गोड्डा जिला में कुल 09 अंचल है।

तालिका सं0 : 1.1

गोड्डा जिला : जनसंख्या वितरण (2011)

क्र0 सं0	अंचल	जनसंख्या	प्रतिशत
1	मेहरमा	146325	11.14
2	ठाकुर गंगटी	99603	7.58
3	बोआरिजोर	138330	10.53
4	महगामा	196976	15.00
5	पथरगामा	115662	8.81
6	बसंतराय	93448	7.11
7	गोड्डा	270255	20.57
8	पोरैयाहाट	187489	14.27
9	सुन्दर पहाड़ी	65463	4.98

स्त्रोत : भारतीय जनगणना, झारखण्ड, 2011

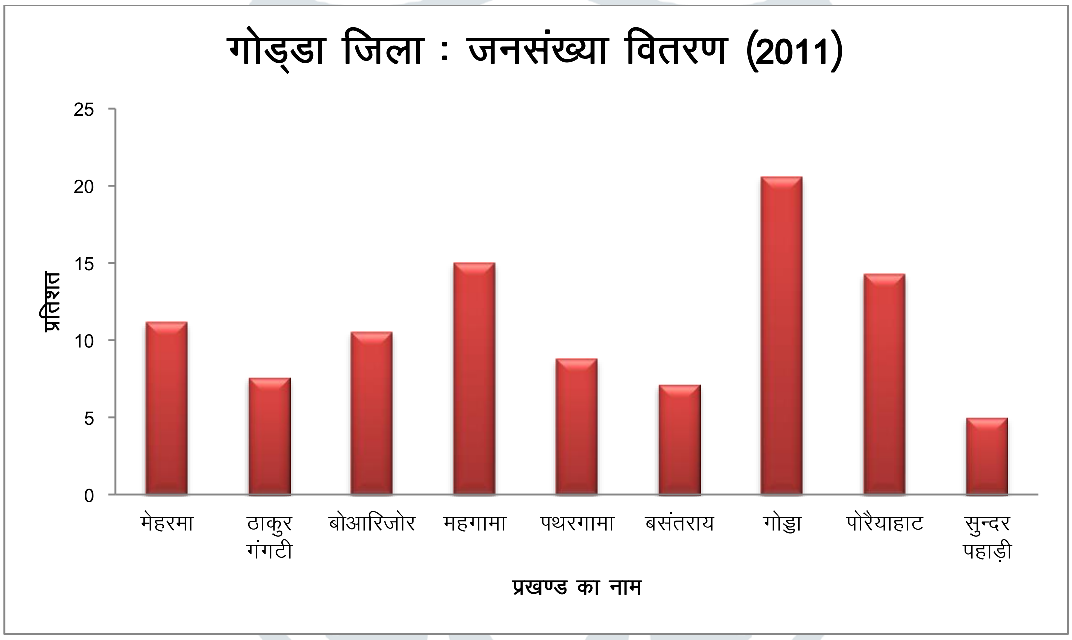

चित्र सं0 : 1.2

तालिका संख्या 1.1 एवं चित्र सं0 1.2 से स्पष्ट है कि सबसे अधिक जनसंख्या गोड्डा प्रखण्ड का है, जबकि सबसे कम जनसंख्या सुन्दर पहाड़ी का है। अधिक जनसंख्या होने का कारण गोड्डा शहरी क्षेत्र में आता है। स्कूल, कॉलेज, स्वास्थ्य केन्द्र के साथ–साथ अपनी आवश्यकता वाली हर दुकान यहां है। अपनी जीवीका चलाने के लिए हर छोटे बड़े रोजगार यहां मिल जाते है। ज्यादातर लोगों की इच्छा शहर में बसने की ओर जोर देता है।

तालिका सं0 : 1.2

गोड्डा जिला : जनसंख्या घनत्व, 2011

क्र0 सं0	अंचल	क्षेत्रफल (वर्ग कि0मी0)	जनसंख्या	जनघनत्व प्रति वर्ग कि0मी0
1	मेहरमा	115.08	146325	1271
2	ठाकुर गंगटी	78.05	99603	1276
3	बोआरिजोर	351.08	138330	394
4	महगामा	145.23	196976	1356
5	पथरगामा	145.89	115662	792
6	बसंतराय	82.45	93448	1133
7	गोड्डा	324.51	270255	832
8	पोरैयाहाट	462.66	187489	405
9	सुन्दर पहाड़ी	392.53	65463	166
गोड्डा जिला		**2097.48**	**1313551**	**626**

स्त्रोत : भारतीय जनगणना, झारखण्ड, 2011

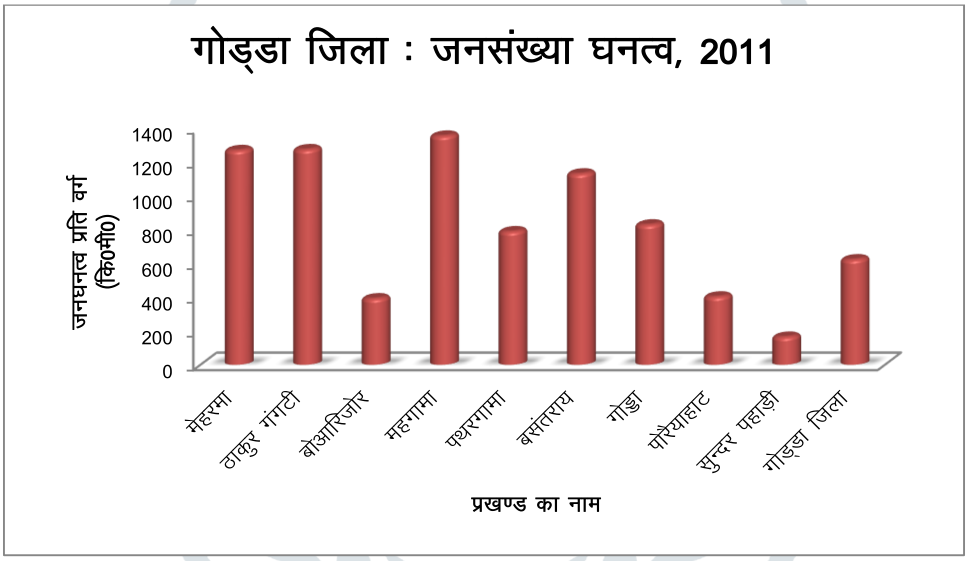

चित्र सं0 : 1.2

उपर्युक्त तालिका संख्या – 1.2 तथा चित्र संख्या – 1.2 से स्पष्ट है, कि गोड्डा जिला का जनघनत्व 2001 में 497 व्यक्ति प्रतिवर्ग कि0 मी0 था जो 2011 की जनगणना में 626 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0 मी0 है। जनघनत्व से तात्पर्य प्रतिवर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल पर रहने वाली जनसंख्या से है।[6] यह जिला ऊबड़–खाबड़ पठारी क्षेत्र है। जनघनत्व की दृष्टि से इसे निम्न चार भागों में विभक्त किया जा सकता है :–

सघन आबादी का क्षेत्र

इसके अर्न्तगत गोड्डा जिला के वैसे अंचल आते हैं, जहाँ जनसंख्या 1300 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0 मी0 से अधिक है। इसमें महगामा (1356) अंचल आते हैं। यहाँ के उच्च घनत्व में जीवन निर्वाह संसाधनों की उपलब्धि का योगदान माना जाता है।

सामान्य सघन आबादी क्षेत्र

इसके अन्तर्गत गोड्डा जिला के वैसे अंचल आते हैं, जहाँ का जनघनत्व 1100—1300 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0 मी0 है, जिसमें ठाकुर गंगटी (1276), मेहरमा (1271) तथा बसंतराय (1133) आते हैं। इस भाग में समतल भूमि, कृषि का विकास, परिवहन सुबिधा तथा मानवीय विकास की अच्छी दशाएँ मिलती है।[7]

मध्यम सघन आबादी क्षेत्र

इसके अर्न्तगत वैसे अंचलों को सम्मिलित किया गया है, जहाँ जनघनत्व 700—900 व्यक्ति प्रतिवर्ग कि0 मी0 है। इसमें गोड्डा (832), पथरगामा (792) अंचल आते हैं। पठारी भूमि, वर्षा की कमी, तथा सिंचाई का अभाव तथा गोड्डा अंचल शहरी क्षेत्र होने के कारण सघन जनसंख्या है। यहाँ कृषि भूमि क्षेत्र कम है, जबकि मानव बसाव यहाँ ज्यादा देखने को मिलते हैं।[8]

विरल आबादी क्षेत्र

गोड्डा जिला के जिन अंचलो में 500 से कम जनघनत्व मिलता है। वहाँ विरल आबादी मिलती है। इसके अन्तर्गत पोरैयाहाट (405), बोआरिजोर (394) तथा सुन्दर पहाड़ी (166) आता है। यह पठारी एवं उजाड़वन क्षेत्र है। इन पहाड़ों की ढाल पर सौरिया पहाड़िया का निवास है। यहाँ स्थान्तरण कृषि होती है। इस पठारी जनजातीय क्षेत्र में बागाती कृषि, विभिन्न खनिजों तथा वनोत्पाद का दोहन होता है। यहाँ छोटे—छोटे उद्योगों को स्थापित कर तथा साक्षरता प्रसार द्वारा समृद्धि का पथ प्रशस्त किया जा सकता है।[9] इसके लिए परिवहन तंत्र का विकास आवश्यक है, क्योंकि आवागमन के विकास के विना क्षेत्र की अपेक्षित प्रगति संभव नहीं है।[10]

निष्कर्ष :

सुन्दर पहाड़ी जैसे बहुत ऐसे भी प्रखण्ड गोड्डा जिला में देखा गया जहाँ की जनसंख्या कम है, जबकि गोड्डा प्रखण्ड का जनसंख्या सबसे अधिक है। जनसंख्या कम होने का कारण लोगों के पास रोजगार के साथ खेती योग्य भूमि भी नहीं है। अपनी जीवीका चलाने के लिए मजदूर पलायन कर दूसरे राज्य को चले जाते हैं। शिक्षा के लिए कॉलेज तथा रोगियों के लिए अस्पताल भी नहीं हैं, जबकि ये सब सुविधाएँ आपको गोड्डा प्रखण्ड में आसानी से मिल जाती है। इसलिए गोड्डा प्रखण्ड की जनसंख्या अधिक है।

संदर्भ—सूची :

1. घोष सांत्वना (1973) : पोपुलेशन आफ बिहार : ए ज्योग्रफिकल स्टडी, अप्रकाशित पी—एच०डी० थीसीस, भूगोल विभाग, बी०एच०यू० वाराणसी।

2. चान्दना, आर. सी. (2012) : जनसंख्या भूगोल, कल्याणी प्रकाशन, लुधियाना, पृ0 60—74

3. डॉ0 राम कुमार तिवारी, झारखण्ड का भूगोल, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना।

4. एम.सी. पियरसन, सर एच (1909) फाईनल रिपोर्ट ऑन द सर्वे एण्ड सेटेलमेण्ट ऑपेरसन इन द डिस्ट्रिक ऑफ संताल परगना, 1898—1907 कलकत्ता

5. पंडा, वी0पी0 (1991) : जनसंख्या भूगोल, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

6. लाल हीरा (1989) : जनसंख्या भूगोल, वसुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर

7. मौर्य, एस0डी0 (2008) : जनसंख्या भूगोल, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद

8. वसन्त सूरजदेव (2004) : जनसंख्या भूगोल, अर्जुन प्रकाशन, नई दिल्ली

9. चन्द्रशेखर, एस0 (1968) : भारत की जनसंख्या, तथ्य, समस्या एवं नीति, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ

10. डॉ0 एस0डी0 मौर्य (2023) : जनसंख्या भूगोल, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद